उत्तराखण्ड-संस्कृत-विश्वविद्यालयः, हरिद्वारम्

वेदवेदाङ्गसंङ्कायान्तर्गतः

ज्योतिष-वास्तुविभागः

(राष्ट्रीयशिक्षानीतिः 2020 (NEP 2020) इत्याधारितः SEC कुण्डली-विज्ञानपाठ्यक्रमः)

(2026–27 सत्रतः प्रभावी)

कक्षा - शास्त्री (प्रतिष्ठा)

सत्रार्द्धम् – प्रथमम्

विषयः – कुण्डली-विज्ञानम्

पूर्णाङ्काः100 **पत्रम् - SEC – 01** **श्रेयोऽङ्कः(क्रेडिट) – 02**

	पाठ्यग्रन्थः-कुण्डलीविज्ञानम्	अङ्काः
इकाई	पाठ्यांशः	
1	ज्योतिषशास्त्र परिचय , ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता	20
2	ज्योतिष एवं विज्ञान, ज्योतिष एवं कर्म, ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास।	20
3	सौर परिवार का सामान्य परिचय , पञ्चाङ्ग परिचय, नक्षत्र एवं राशिचक्र परिचय।	20
4	इष्टकाल,भयात, भभोग साधन, नक्षत्र चरण ज्ञान, चालन, सारणी से लग्न साधन।	20
5	राशियों के गुण धर्म, ग्रहों स्वरूप, ग्रहों के उच्च-नीच एवं मूलत्रिकोण राशिया।	20

सहायकग्रन्थौ –

भारतीय कुण्डली विज्ञानम् – हिम्मतलाल मीठालाल ओझा

भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री

कक्षा - शास्त्री (प्रतिष्ठा)

सत्रार्द्धम् : तृतीयम्

विषयः – कुण्डली-विज्ञानम्

पूर्णाङ्काः100 **पत्रम् - SEC–03** **श्रेयोऽङ्कः(क्रेडिट) - 2**

	पाठ्यग्रन्थः-कुण्डलीविज्ञानम्	अङ्काः
इकाई	पाठ्यांशः	
1	चालन साधन, स्पष्टग्रह साधन, चन्द्रस्पष्ट साधन, लग्नस्पष्ट साधन	20
2	दशम लग्न साधन, ससन्धि द्वादश भाव साधन	20
3	चलित चक्र निर्माण, सुदर्शन कुण्डली निर्माण	20
4	षडवर्ग साधन	20
5	ग्रह दृष्टि विचार,पाद दृष्टि एवं पूर्ण दृष्टि , ग्रह मैत्री विचार (तात्कालिक, नैसर्गिक एवं पञ्चधा मैत्री)	20

सहायकग्रन्थाः –

भारतीय कुण्डली विज्ञानम् – हिम्मतलाल मीठालाल ओझा

भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री

बृहज्जातकम्- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

कक्षा - शास्त्री (प्रतिष्ठा)

सत्रार्द्धम् : चतुर्थम्

विषयः – कुण्डली-विज्ञानम्

पूर्णाङ्काः 100 **पत्रम् - DSE – 04** **श्रेयोऽङ्कः(क्रेडिट) - 2**

	पाठ्यग्रन्थः-कुण्डलीविज्ञानम्	अङ्काः
इकाई	पाठ्यांशः	
1	चर स्थिर कारक ग्रह विचार,भावविचार, भाव संज्ञा, द्वादशभाव से विचारणीय विषय	20
2	कालपुरूष के अंग विचार, ग्रहों के आत्मादि एवं राजादि विभाग विचार	20
3	बालारिष्ट योग विचार, अरिष्ट भंग योग	20
4	जातक के विविध योग- अन्धयोग, काणयोग, खंजयोग, वामनयोग, मूकयोग, वधिरयोग,	20
5	क्लीवयोग, श्रीनाथयोग, गजकेसरी योग, पञ्चमहापुरूष योग, अमला योग	20

सहायकग्रन्थाः –

भारतीय कुण्डली विज्ञानम् – हिम्मतलाल मीठालाल ओझा

भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री।

बृहज्जातकम्- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

कक्षा - शास्त्री (प्रतिष्ठा)

सत्रार्द्धम् – पञ्चमम्

विषयः – कुण्डली-विज्ञानम्

पूर्णाङ्काः100 **पत्रम् - SEC – 05** **श्रेयोऽङ्कः(क्रेडिट) - 02**

	पाठ्यग्रन्थः-कुण्डलीविज्ञानम्	अङ्काः
इकाई	पाठ्यांशः	
1	दशा विचार, विंशोत्तरी दशासाधन	20
2	अन्तर्दशा- प्रत्यन्तरदशा साधन एवं फल विचार	20
3	योगिनीदशा अन्तर्दशा साधन	20
4	लघुपाराशरी अनुसार राजयोग विचार	20
5	द्वादश भाव फल विचार, शनि साढे साती एवं ढैय्या विचार	20

सहायकग्रन्थाः –

भारतीय कुण्डली विज्ञानम् – हिम्मतलाल मीठालाल ओझा

भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री

बृहज्जातकम्- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

ज्योतिष पीयुष- पं. कल्याणदत्त शर्मा, देव संस्कृति विश्वविद्यालय प्रकाशन

कक्षा - शास्त्री (प्रतिष्ठा)

सत्रार्द्धम् – षष्ठमम्

विषयः – कुण्डली-विज्ञानम्

पूर्णाङ्काः 100 **पत्रम् - SEC–06** **श्रेयोऽङ्कः(क्रेडिट) - 2**

	पाठ्यग्रन्थः-कुण्डलीविज्ञानम्	अङ्काः
इकाई	पाठ्यांशः	
1	समयज्ञान, मानक समय, स्थानीय समय, सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान साधन	20
2	मेलापक विचार- ग्रह मेलापक एवं नक्षत्र मेलापक के आधार पर अष्टकूट विचार	20
3	मांगलिक विचार	20
4	यात्रा, गृहारम्भ, गृहप्रवेश,क्रय-विक्रयादि मुहूर्त्त विचार	20
5	कुण्डली अध्ययन के सामान्य सिद्धान्त, कुण्डली विज्ञान का व्यवहारिक उपयोग	20

सहायकग्रन्थाः –

भारतीय कुण्डली विज्ञानम् – हिम्मतलाल मीठालाल ओझा

भारतीय ज्योतिष - नेमिचन्द्रशास्त्री